SSP/05/02/20

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था
सत्संग शिक्षण परीक्षा
सत्संग परिचय
प्रश्नपत्र - २

दोपहर २:०० से ४:१५] (रविवार, १९ जुलाई, १९९८) **कुल अंक : ७५**

सूचना : दायीं ओर प्रश्न के अंक लिखे हैं ।

(विभाग - २ किशोर सत्संग परिचय)

प्र. १. निम्नांकित में से कोई भी दो विधान किसने, किसे तथा कब कहते हैं, यह लीखिए । ६

१. ''अबतो उन के सर उडाने के बाद ही मुँह में दाना डालेंगे।''
२. ''टट्टु दुर्बल है, सवार तरोताजा है।''
३. ''आप अब घर जाईए और अपना बाकी कार्य पूर्ण कीजिए।''
४. ''मच्छर के डर से कोई हवेली का त्याग नहीं करता।''

प्र. २. निम्नांकित में से किसी एक पर १२ पंक्तियों में टिप्पणी लीखिए । ४

१. दामोदरभाई।
२. राजबाई का ब्रह्मचर्य व्रत।
३. भक्ति।

प्र. ३. निम्नांकित में से किन्हीं दो को आठ पंक्तियों में कारण देकर समझाईए । ४

१. श्रीजी महाराजने कहा, 'परमचैतन्यानन्द स्वामी सत्संग में है।'
२. महाराज को पेंडे खिलाने के स्थान पर गोरधनभाई स्वयं पेंडे खाने लगे।
३. सवेरे उठकर देखा तो अरदेशर के भाल पर तिलक था।
४. सर एन्ड्रुज डनलोपने मंदिर बनाने के हेतु अमदावाद में जमीन दिलवाई।

प्र. ४. निम्नलिखित प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर दीजिए । ७

१. गोंडल मंदिर की स्थापना कब हुई ?
२. किस प्रकार के व्यक्ति के मुख से भगवान की कथा-वार्ता नहीं सुननी चाहिए ?

३. श्रीजी महाराजने स्वरुपानंद स्वामी को शांति का कौन सा उपाय बताया ?
४. उत्तम निर्विकल्प निश्चय किसे कहते हैं ?
५. सुंदरजीभाई का गर्व कैसे नष्ट हुआ ?
६. संतों की नासिकाओं पर अत्तर की अर्चना करते हुए श्रीजी महाराजने क्या कहा ?
७. कुसंग के बारे में चैतन्य महाप्रभुने क्या कहा है ?

प्र. ५. निम्नांकित 'स्वामी की बात' पूर्ण कर के उसका निरुपण कीजिए

अथवा वचनामृत का निरुपण कीजिए । ५

'जेम गाय छे ते वाछरडा .....'

अथवा

वचनामृत गढडा प्रथम - १६।

प्र. ६. निम्नांकित में से किन्हीं चार कीर्तन/श्लोक/अष्टक की पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए । ८

१. जे स्वामिनारायण .....वर्णन कोण एनुं ?
२. असुर अधर्मी ..... कराव्या त्याग।
३. एवां करे रे ..... सहज स्वभावे।
४. अन्य क्षेत्रे ..... भविष्यति।
५. विधिशंभुमुखै ..... भजे सदा।

(विभाग - २ प्रागजी भक्त)

प्र. ७. निम्नांकित में से कोई भी दो विधान किसने, किस से और कब कहा, यह लीखिए । ६

१. ''ये तो पूर्व के भक्त है।''
२. ''मैंने नहीं रखें, स्वामिनारायणने रखें हैं।''
३. ''आपने तो स्वामी के चारों धन से पान किया हुआ है।''
४. ''मै तो पत्थर उठवाऊँगा और भगवान दूँगा।''

प्र. ८. नीचे में से कोई एक को बारह पंक्तियों में कारण सहित समझाईए । ४

१. चंदनी को देखकर गुणातीतानन्द स्वामी रो पडे।
२. प्रागजी भक्त को बालमुकुन्द स्वामीने जगाया, किन्तु वे जगे नहीं।
३. हनुमानजी को तेल चढाने पर भी विठ्ठलभाई का रोग हठा नहीं।

प्र. ९. निम्नांकित में से किसी <u>एक</u> पर लगभग १५ पंक्तियों में टिप्पणी लिखिए । ५

१. *अनुवृत्ति के पालक भगतजी महाराज।*

२. *भगतजी महाराज ने किया हुआ अक्षरज्ञान का उद्‌घोषक।*

३. *शास्त्रीजी महाराजने किया हुआ भगतजी महाराज के एकान्तिक पन का निरुपण।*

प्र. १०. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए । ७

१. *गिरघरभाई को दर्शन देते समय हरिकृष्ण महाराजने क्या कहा ?*

२. *बचपन में भगतजीने कितना चुरमा खा लिया था ?*

३. *प्रागजी भक्त को थप्पड किसने मारा था?*

४. *प्रागजी भक्त का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?*

५. *भगतजी को श्रीजी महाराजने भगवे कपडों में दर्शन क्यों दिये ?*

६. *वांसदा के दिवान को भगतजीने कौन सा वचन दिया ?*

७. *मंदिर में अंतिम दर्शन कर के आते समय भगतजीने जेठा भगत को क्या कहा ?*

प्र. ११. निम्नंकित में से किसी <u>एक</u> विषय पर बारह पंक्तियों में टिप्पणी लिखिए । ४

१. *एकान्त का सुख।*

२. *भगतजी महाराज की सहनशीलता।*

३. *प्रागजी भक्तने माँगे हुए वरदान।*

(विभाग - ३ 'सत्संग प्रवेश' परीक्षा के पुस्तकों के आधार पर)

प्र. १२. निम्नंकित विषयों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए । १५

१. *जांबुवान का कल्याण।*

अथवा

लोज में नीलकंठ के चमत्कार।

२. *स्पष्टवक्ता शास्त्रीजी महाराज।*

अथवा

अडसठ तीर्थ।

३. *भूज के लाधीबाई।*

अथवा

जोबन पगी का परिवर्तन।

❁ ❁ ❁